LOK SABHA

Tuesday, March 17, 1981/Phalguna 26, 1902 (Saka).

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

RE. DISCUSSION ON SITUATION IN GUJARAT

श्री मनी राम बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, नियम 389 के अन्तर्गत मैंने आपको एक प्रस्ताव दिया है और पक्ष-विपक्ष का इसमें कोई सवाल नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : ऐसा है,. . . .

श्री मनी राम बागड़ी : गुजरात के सवाल को आप सुन लें, चाहे एक्सपंज करा देना, चाहे कुछ एक्शन करिए ।

अध्यक्ष महोदय : विधि के अनुसार कीजिए ।

श्री मनी राम बागड़ी : गलत बोल रहा हूं विधि के नाते से, मान लीजिए । आप उसको एक्सपंज करा दीजिए, इस पर किसी को एतराज नहीं है । सर्वसम्मति से . . . .

अध्यक्ष महोदय : नहीं है, तो सारा काम तरीके से होगा ।

श्री मनी राम बागड़ी : अगर सब मानते हैं तो क्या एतराज है ? अगर भीष्म नारायण जी मान रहे हैं, साठे साहब मान रहे हैं, सारा सदन मान रहा है कि गुजरात के अन्दर जो हालात हो रहे हैं, उसकी निन्दा की जाये और रिजर्वेशन के सम्बन्ध में सब लोग उठें ।

अध्यक्ष महोदय : सारा काम करेंगे तो हिसाब से करेंगे । मैं मानता हूं कि गंभीरता है, आप मानते है, गवर्नमेंट भी मानती है, सारी बात ठीक है, लेकिन कोई तरीके से ।

श्री मनी राम बागड़ी : अभी भीष्म नारायण जी कहें कि यह प्रस्ताव सरकार की तरफ से रखते हैं, ...

संसद् कार्य तथा निर्माण और आवास मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह) : अभी क्वैश्चन अवर है ।

श्री मनी राम बागड़ी : आप क्वश्चन अवर की बात कर रहे हैं (**व्यवधान**) । जल रहा है गुजरात, आप सवालों की बात करते है, देश जल रहा है ।

MR. SPEAKER: Nothing will go on record.

श्री मनी राम बागड़ी

*(Interruptions)***

अध्यक्ष महोदय : मेरी बात सुनिए ।

(व्यवधान)

** Not recorded.

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसन्त साठे) : आप अच्छी चीजों को भी खराब कर रहे हैं । यही चीज आप क्वैश्चन अवर के बाद कहें तो शांति से सुना जायेगा । आप नियमो मे क्यों दखल डाल रहे हैं ? अच्छी बात को क्यों खराब कर रहे हैं ?

अध्यक्ष महोदय : जैसे सदन कहेगा, वसे ही करेंगे ।

श्री मनी राम बागड़ी : मैं आप से अर्ज करता हूं कि साठे साहब कहते है . . . .

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा नियम 388 के अन्तर्गत प्वाइण्ट आफ आर्डर है ।

अध्यक्ष महोदय : नियम 388 लागू नही होता । प्वाइण्ट आफ आर्डर क्वैश्चन अवर से पहले नही होता ।

श्री राम विलास पासवान : हमने प्रस्ताव दिया है, नियम को सस्पैण्ड करने के लिए, ...

अध्यक्ष महोदय : आपने कोई मोशन भी नही दिया ।

श्री राम विलास पासवान : दिया है ।

अध्यक्ष महोदय : इर्रेलेवण्ट है, टीक बना कर दीजिए ।

श्री राम विलास पासवान : : इस सदन में, आपने रूलिंग दिया था कि डिस्कशन करा देंगे ।

अध्यक्ष महोदय : करा देंगे । मैंने कब कहा कि नहीं करेंगे ?

श्री राम विलास पासवान : लेकिन आपने मोशन मंजूर किया कालिंग अटैंशन ।

अध्यक्ष महोदय : अब दूसरा करवा लेंगे सलाह कर के, इसको बन्द कीजिए ।

श्री राम विलास पासवान : आपने आश्वासन दिया था कि डिस्कशन करा देंगे ?

अध्यक्ष महोदय : हां, डिस्कशन ही कहा, कालिंग अटैंशन कोई नाच होता है क्या ? डिस्कशन ही होता है ।

श्री राम बिलास पासवान : कालिग अटैंशन नाच नही होता, वह तो उसको मारने के लिए किया गया ।

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER: Nothing is going on record.

अध्यक्ष महोदयः : बात सुनिए । आप कहते है कि हम कालिग एटेन्शन नहीं, डिसकशन करेंगे । अगर हाउस की मशा है, तो डिसकशन करवा देंगे । बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में आज ही टाइम फ़िक्स कर देंगे और आज ही डिसकशन करवा देंगे । डिसकशन के बारे मे चिन्ता की कोई बात नहीं है । उस में कोई अड़चन नही है । चिन्ता तब हो, जब हम डिसकशन न करवायें । . .

The House is amenable for discussion.

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मोशन दीजिए । किसी मोशन के अधीन ही डिसकशन होगा

** Not recorded.

न ? अगर रेजोल्यूशन पर डिसकशन होगा, तो किसी रूल के अधीन ही होगा । वर्ना कसे करेंगे आप ?

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मेरी बात सुनिए । मैं एक बात आपको बताना चाहता हूं । हाउस को इतना खुला अधिकार है कि हम डिसकशन कर सकते हैं । मेरे ख्याल में हाउस के किसी भी कोने से एतराज नहीं है । .. Not any section is opposed to it. इसको ठीक ढंग से लेकर नियमों के अधीन आज ही करवा देता हू । झगड़ा किस बात का है ? आपने जो मोशन दिया है, वह नियमो के अधीन नहीं बनता है । नियमों के अधीन डिसकशन करवा देंगे ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : सारा काम हो सकता है । आज ही करवा देंगे । झगड़ा किस बात का है ?

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : शांत बात है ।

Nothing is going on record. Nothing doing. बैठिये

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : कोई नियमों के अधीन काम नही हो रहा है ।

(व्यवधान)**

MR. SPEAKER : But this has to be done under the Rules.

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : महत्व क्यों नहीं रहेगा,. when the House agrees.

श्री बसंत साठे : अध्यक्ष महोदय..

(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Mr. Tytler, he is on his legs.

श्री बसंत साठे : मेरे मित्र समझें कि उनके प्रस्ताव के महत्व के बारे में कोई दो राय नहीं हैं । लेकिन क्वेश्चन आवर भी उतने ही महत्व का है । माननीय सदस्यों को बहुत से सवाल पूछने हैं-- माननीय सदस्य ने भी पूछने हैं । क्वेश्चन आवर के बाद भी उनका यह प्रस्ताव लिया जा सकता है । इस लिए बेकार समय बरबाद करें और सारे नियमों को तोड़ें, इससे कोई महत्व कम या ज्यादा नही होता है । मैं अर्ज करना चाहता हूं कि नियमों को सस्पेंड करने से इसका महत्व बढ़ता है, यह बात नही है । (व्यवधान) जब हम समर्थन दे रहे है, तो इस तरह का रुख अपना कर वह अच्छी बात को भी खराब करवा देंगे । (व्यवधान)

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): What has the Minister of Information and Broadcasting to do with he issue? Let the Minister of Parliamentary Affairs give the clarificaion...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: What else do you want? The whole House is agreeable on one thing.

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : बार-बार एक बात को दोहराना पड़ता है । जब सारा हाउस ऐग्रीएबल है कि जिस फार्म में आप डिसकशन करना चाहें, कर लें, तो झगड़ा किस बात का है ? आप ऐसा क्यों चाहते हैं ? आप किसी रूल के मुताबिक कोई

** Not recorded.

रेजोल्यूशन फार्म कीजिए उसके बाद हम करवा देंगे । आप जो कहें वही करना है यह तो ठीक नहीं है । एक तरीके से ही काम चलेगा । इसमें सारा हाउस आपका साथ देने के लिए तैयार है उसके बाद भी आप जिद करते हैं, यह तो कोई बात नहीं है ।

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, हमारी मांग है कि इस सदन को दो-तीन दिन के लिए बन्द कर दिया जाए । इस लोक सभा को दो-तीन दिन के लिए आप बन्द कर दो, सारे लीडर वहां गुजरात मे पहुंचो और शांति मिशन करो । इसके लिए आप प्रस्ताव पास करो ।

अध्यक्ष महोदय : आप पास करके जाओ, रोका किसने है ?

श्री मनीराम बागड़ी : पास कर दो और दो-तीन दिन के लिए हाउस बन्द कर दो ।

अध्यक्ष महोदय : बातचीत करके, कुछ सुझाव ले कर तब करेंगे । शाम को पास कर देंगे । मैंने कह दिया सब कुछ करना है फिर क्या चाहते है आप ?

श्री मनी राम बागड़ी : आज अगर दस क्वैश्चन्स नही आए यहां पर और गुजरात मे **....

*(Interruptions)***

MR. SPEAKER: Nothing is going on record.

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): Can the Members of the House utilise the Question Hour for agitating and demanding a discussion? They should utilise it only for asking Questions.

MR. SPEAKER: You are right, Mr. Lakkappa.

SHRI K. LAKKAPPA: Kindly regulate it. Let the Question Hour be utilised only for asking Questions.

श्री भीष्म नारायण सिंह : अध्यक्ष जी, मैंने शुरू में निवेदन किया कि बागड़ी जी की जो भावना है, इस पक्ष में या उस पक्ष में जो बैठे हैं सभी की भावना गुजरात के संबंध में एक ही है, इसमें कोई दो रायें नही है । अब सवाल यह रह गया कि इसको किस तरह से लिया जाए तो क्वैश्चन आवर के बाद जैसा आप निर्णय लेंगे उससे हम बंधे हुए है, उसके अनुसार हम चलेंगे । इसके बारे में और कोई दूसरी बात मैं क्या कह सकता हूं ?

श्री मनीराम बागड़ी : यानी क्वैश्चन आवर के बाद यह निर्णय होगा तो ठीक है ।

अध्यक्ष महोदय : रूल 184 के हिसाब से करवा देंगे । कोई तो नियम होगा ही जिसके हिसाब से हम चलेंगे ।

श्री मनीराम बागड़ी : किसी भी नियम के हिसाब से आप कर दो । चाहे भीष्म नारायण सिंह जी की तरफ से कर दो या किसी की तरफ से कर दो लेकिन यह प्रस्ताव सारे सदन की तरफ से पास हो जाए ।

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Indian Expertise for non-aligned News Agencies Pool

*392. SHRI K. P. SINGH DEO: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether India has offered to provide its expertise for the deve-

** Not recorded.